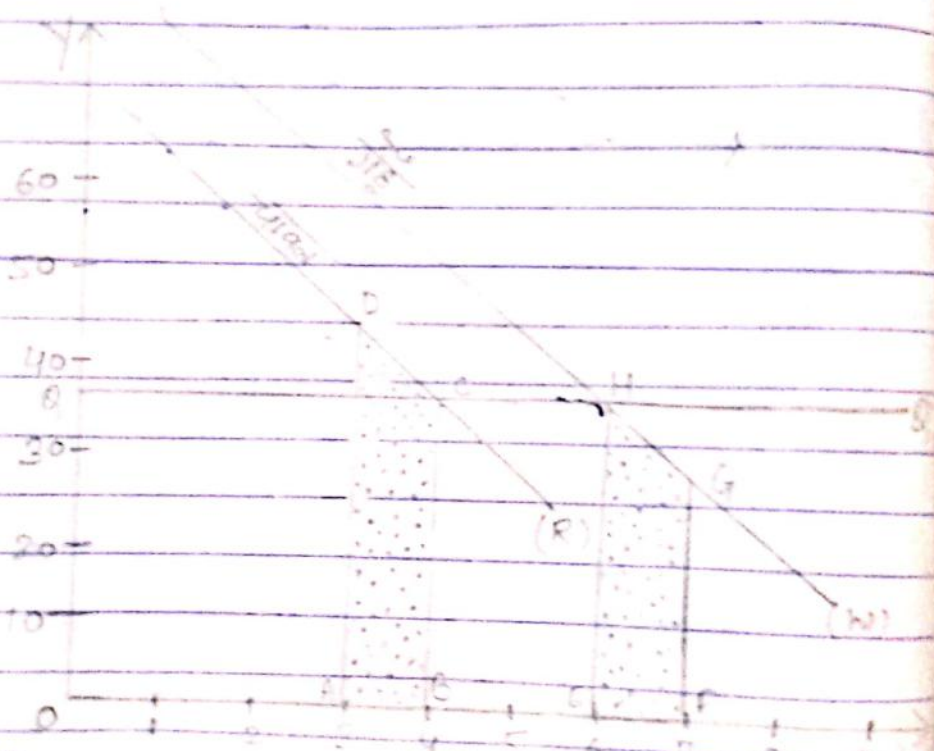


13-7-2020

(96)

खपसों में से 6 खपस गेहूँ और 4 खपस चावल पर 0 मजदूरी कर देगा। इस प्रकार में 0 मजदूरी कर पर उपभोगिता का उच्च का स्तर पर उपभोगिता प्राप्त होती है। अतः अतिरिक्त है। इस प्रकार का अतिरिक्त का सहायता से भी खपस किया जा सकता है।



चित्र में  $Ox - axis$  पर द्रव्य की इकाइयों का  $Oy - axis$  पर उपभोग से मिलने वाली सीमांत उपभोगिता का दिखाया गया है। चित्र में (w) और (r) दो रेखाएँ फसल: गेहूँ और चावल से प्राप्त होने वाली सीमांत उपभोगिता का अर्थ करती हैं। (w) रेखा गेहूँ और चावल दोनों के उपभोग से प्राप्त होने वाली सीमांत उपभोगिता का प्रतिनिधित्व करती है। चित्र में, गेहूँ के उपभोग

13-7-2020

(97)

से प्राप्त होने वाली सीमान्त उपयोगिता HE  
 तथा चावल के उपभाग से प्राप्त होने वाली  
 सीमान्त उपयोगिता CB के बराबर है। नियम  
 के अनुसार, जब अन्त में सीमान्त उपयोगिता  
 बराबर हो जाती है, तब कुल उपयोगिता  
 अधिकतम होती है। चूँकि हमारे उदाहरण  
 में गेहूँ की सीमान्त उपयोगिता HE का  
 सीमान्त उपयोगिता CB के बराबर है, इसलिए  
 उपभाज्यता अपने दस रूप में से 6 रूप  
 गेहूँ पर और 4 रूप चावल पर व्यय करता है  
 तब उस अधिकतम संतुष्टि प्राप्त होती है। अब  
 मान लें कि उपभाज्यता अपने व्यय के क्रम  
 में कुछ परिवर्तन करता है। परिवर्तन करने  
 पर उपभाज्यता चावल पर केवल तीन रूप  
 और गेहूँ पर सात रूप व्यय कर देता है।  
 तो ऐसी स्थिति में गेहूँ के उपभाग  
 से मिलने वाली सीमान्त उपयोगिता EFGH  
 है जबकि चावल से होने वाली उपयोगिता  
 की हानि ABCD है। चित्र में इस स्थिति  
 को आच्छादित दण्डों द्वारा प्रदर्शित किया गया  
 है। इस दण्डों में ABCD (चावल से  
 प्राप्त होने वाली उपयोगिता) दण्ड, EFGH  
 (गेहूँ से प्राप्त होने वाली उपयोगिता) दण्ड की  
 अपेक्षा बड़ा है। स्पष्ट है कि यदि  
 उपभाज्यता सात रूप गेहूँ पर और तीन  
 रूप चावल पर व्यय करता है, तो  
 उसकी कुल उपयोगिता में कमी आएगी।  
 इसलिए इसका आदर्श स्वर्च तभी होगा जब  
 वह दण्ड की चार इकाइयाँ चावल पर और  
 छः इकाइयाँ गेहूँ पर व्यय करे।